भागीरथी बाल शिक्षा सदन सैकेण्डरी स्कूल

कक्षा - आठवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण

पाठ - 2 वर्ण - विचार

निम्न कार्य को कापी मे करो।

**6. निम्नलिखित वर्णों के वर्ण विच्छेद कीजिए-**

(क) राजा – ....................

(ख) कीमत – ....................

(ग) कुमार – ....................

(घ) आलोक – ....................

(ङ) प्रभात – ....................

(च) रक्षा – ....................

**7. कोष्ठक में से सही शब्द छाँटकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

(क) व्यंजन के .................... भेद होते हैं। (तीन, पाँच)

(ख) अं तथा अः को .................... कहते हैं। (उष्म, अयोगवाह)

(ग) जिन ध्वनियों के उच्चारण में स्वर-तंत्रिका में कंपन नहीं होता उसे .................... कहते हैं। (सघोष, अघोष)

(घ) उच्चारण में लगने वाले समय के अनुसार स्वर के .................... भेद होते हैं। (तीन, चार)

(ङ) स्पर्श व्यंजन .................... होते है। (33, 25)

(च) अंतस्थ व्यंजन .................... होते हैं। (पाँच, चार)

(छ) वर्ण ध्वनियों के .................... रूप होते हैं। (मौखिक, लिखित)

(ज) जिन वर्णों का उच्चारण नाक तथा मुँह से होता है .................... कहलाते हैं। (अनुस्वार, अनुनासिक)

**8. नीचे कुछ उच्चारण संबंधी अशुद्धियाँ दी गई हैं, उनके शुद्ध रूप लिखिए-**

(क) व्यवहारिक – ....................

(ख) पुज्जनीय – ....................

(ग) बिमारी – ....................

(घ) श्रीमति – ....................

(ङ) सप्ताहिक – ....................

(च) कवियत्री – ....................

(छ) दिपावली – ....................

(ज) रुमाल – ....................

(झ) श्रृंगार – ....................

(ञ) त्यौहार – ....................

(ट) घनिष्ट – ....................

(ठ) जजमान – ....................

(ड) जमराज – ....................

(ढ) चिन्ह – ....................

(ण) कच्छा – ....................

(त) सहस्त्र – ....................

(थ) विस्वास – ....................

(द) आर्शरवाद – ....................

(ध) रितु – ....................

(न) रिषि – ....................



Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

# भाग-2

## भागीरथी बाल शिक्षा सदन सैकेण्डरी स्कूल

कक्षा - आठवीं

विषय - हिन्दी व्याकरण

पाठ -2 वर्ण विचार

- निम्न कार्य को कापी में लिखो.

1. अयोगवाह ⇒ 'अं' और 'अः' ऐसी ध्वनियाँ हैं, जिन्हें अयोगवाह कहा जाता है। अयोगवाह का अर्थ है स्वर और व्यंजनों में न रहने पर भी साथ रहे।

2. आगत ध्वनि ⇒ (ऑ) ऑ, अंग्रेजी से हिंदी में आया है, इसका प्रयोग अंग्रेजी से हिंदी में आए शब्दों में ही मिलता है; जैसे - डॉक्टर, कॉलेज आदि।

3. अनुस्वार ⇒ इसका चिह्न (ं) है। इसका प्रयोग वर्णों के ऊपर बिंदु के रूप में किया जाता है। इसका उच्चारण नाक से होता है; जैसे - गंगा, तिरंगा, हंस आदि।

4. अनुनासिक ⇒ इसके उच्चारण के समय हवा नाक तथा मुँह दोनों से बाहर निकलती है। इसका चिह्न चंद्रबिंदु (ँ) के रूप में वर्णों के ऊपर लगाया जाता है। जैसे - आँगन, मुँह आदि।

5. विसर्ग ⇒ इसका चिह्न (:) है। इसका उच्चारण 'ह' की तरह किया जाता है तथा संस्कृत के शब्दों में ही उसका प्रयोग किया जाता है जैसे - अतः, प्रातः आदि।



Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

Expt. No. ______ Date ______ Page No. ______

(6) हलंत ⇒ इसका चिह्न ( ् ) है, इसका प्रयोग व्यंजन के नीचे किया जाता है, जिस व्यंजन में स्वर नहीं मिला होता, वहाँ हलंत का चिह्न लगाकर उसे स्पष्ट किया जाता है; जैसे, चिह्न, विद्यार्थी।

## व्यंजन

जिन वर्णों का उच्चारण स्वरों की सहायता से किया जाता है; वे व्यंजन कहलाते हैं, ये मूल रूप से तैंतीस (33) होते हैं। संयुक्त व्यंजन तथा अन्य विकसित व्यंजन को मिलाकर इनकी संख्या उनतालीस होती है।

व्यंजन माला ⇒

| | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|
| कवर्ग | क | ख | ग | घ | ङ | – 5 |
| चवर्ग | च | छ | ज | झ | ञ | – 5 |
| टवर्ग | ट | ठ | ड | ढ | ण | – 5 |
| तवर्ग | त | थ | द | ध | न | – 5 |
| पवर्ग | प | फ | ब | भ | म | – 5 |
| अंतःस्थ | य | र | ल | व | | – 4 |
| ऊष्म | श | ष | स | ह | | – 4 |
| संयुक्त | क्ष | त्र | ज्ञ | (श्र) | | – 4 |
| अन्य | ड़ | ढ़ | | | | – 2 |
| कुल | | | | | | 39 |

व्यंजन के भेद

- स्पर्श व्यंजन
- अंतस्थ व्यंजन
- ऊष्म व्यंजन

वर्ण-विच्छेद ⇒ किसी शब्द में प्रयुक्त वर्णों को अलग-अलग करने को वर्ण-विच्छेद कहते हैं, जैसे,

पुस्तकालय = प् + उ + स् + त् + अ + क् + आ + ल् + अ + य् + अ

अन्न = अ + न् + न् + अ

Teacher's Signature : ______

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner

सभी व्यंजनों के नीचे हलंत (्) लगाए जाते हैं।

साँस तथा वायु के मात्रा को आधार पर उच्चारण के समय व्यंजनों को दो भागों में बाँटा गया

1. अल्पप्राण 2. महाप्राण

1. **अल्पप्राण** ⇒ जिन व्यंजन वर्णों के उच्चारण में कम प्राण (वायु, हवा) लगे और कम प्रयत्न करना पड़े उन्हें अल्पप्राण व्यंजन कहते हैं। ये निम्न हैं—

क ग ङ, च ज ञ, ट ड ण,
त द न, प ब म, य र ल व।

2. **महाप्राण** ⇒ जिन व्यंजनों का उच्चारण करते समय अधिक प्रयत्न करना पड़ता है और हवा अंदर से तीव्र गति से बाहर निकलती है और ह की ध्वनि उत्पन्न करती है, उसे महाप्राण व्यंजन कहते हैं। ये निम्न हैं—

ख, घ, छ, झ, ठ, ढ, ढ़, थ,
ध, फ, भ, श, ष, स और ह।

## अभ्यास कार्य

प्रश्न1. स्वर तथा व्यंजन में क्या अंतर है?

प्रश्न2. अनुस्वार तथा अनुनासिक में क्या अंतर है?

प्रश्न3. अयोगवाह किसे कहते हैं?

प्रश्न4. वर्ण - विच्छेद किसे कहते हैं?

प्रश्न5. अल्पप्राण तथा महाप्राण व्यंजन में अंतर स्पष्ट कीजिए?

Scanned with CamScanner

Scanned with CamScanner